भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4018
25 मार्च, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: नारियल और सुपारी बागानों को प्रभावित करने वाले रोग

4018. कैप्टन विरयाटो फर्नांडीस:

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को दक्षिण गोवा में नारियल और सुपारी के बागानों को प्रभावित करने वाले रेड पाम वीविल, राइनोसारस बीटल और कली सड़ने के रोगों के बढ़ते मामलों की जानकारी है;

(ख) क्या नारियल विकास बोर्ड और राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड ने प्रभावित किसानों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कोई कदम उठाए हैं, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या दक्षिण गोवा के लिए समेकित बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) के अंतर्गत किसी कीट प्रबंधन कार्यक्रम अथवा किसी केंद्रीय सहायता योजना की योजना के आधार पर योजना बनाई जा रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (ग): कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, केन्द्रीय एकीकृत कीट प्रबंधन केन्द्र (सीआईपीएमसी), गोवा और राज्य कृषि विभाग के माध्यम से दक्षिण गोवा में नारियल और सुपारी के बागानों में कीटों और बीमारियों के संक्रमण की निगरानी के लिए नियमित सर्वेक्षण करता है और यह पाया है कि नारियल के बागानों और सुपारी के बागानों में रेड पॉम वीविल, राइनोसारस बीटल और कली सड़न रोगों का संक्रमण कम स्तर पर है।

नारियल विकास बोर्ड गोवा में नारियल किसानों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है और इसने नारियल प्रौद्योगिकी मिशन (टीएमओसी) योजना के तहत केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों आदि के साथ मिलकर नारियल में कीट और रोग प्रबंधन हेतु प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए 83 परियोजनाओं की सहायता की है और पिछले 5 वर्षों के दौरान गोवा में विभिन्न क्षेत्र उन्मुख विकास योजनाओं को लागू करने के लिए 2.65 करोड़ रुपये की राशि रिलीज की है। इसके अलावा, बोर्ड ने गोवा में 1.77 करोड़ रुपये का उपयोग करके 821.37 हेक्टेयर नारियल जोत में एकीकृत खेती का प्रदर्शन भी किया है।

नारियल विकास बोर्ड ने पिछले 5 वर्षों के दौरान गोवा में एकीकृत कीट और रोग प्रबंधन सहित वैज्ञानिक नारियल की खेती के तरीकों के लिए नारियल किसानों हेतु 72 जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए हैं। हालाँकि, दक्षिण गोवा में समेकित बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) के तहत कोई विशिष्ट कीट प्रबंधन कार्यक्रम लागू नहीं किया जा रहा है।

*****